MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
July 2023

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज ने जम्मू-कश्मीर के लिए क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया

बागवानी योजना और विपणन विभाग, जम्मू और कश्मीर सरकार के लिए किसानों, उत्पादकों, प्रोसेसरों, निर्यातकों, उद्यमियों और कृषि की मदद करने वाले कृषि, बागवानी, प्रसंस्कृत उत्पादों जम्मू-कश्मीर के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए मैनेज ने दिनांक 10 जुलाई, 2023 को एक दिवसीय क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया।

इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों के विक्रेताओं और हैदराबाद, मुंबई, कर्नाटक और केरल के क्रेताओं सहित लगभग 250 लोगों ने भाग लिया।

श्री विकास शर्मा, निदेशक, बागवानी योजना और विपणन, जम्मू -कश्मीर ने अपने उद्घाटन भाषण में बताया कि जम्मू-कश्मीर विभिन्न प्रकार के कृषि और बागवानी उत्पादों से संपन्न है और जुलाई से नवंबर तक बड़े पैमाने पर विविध किस्मों और फसल के साथ देश में सेब का अग्रणी उत्पादक है। इसके अलावा, इसका वैश्विक बाजार में एक अद्वितीय स्थान है।

श्री अरुण मन्हास, प्रबंध निदेशक, जम्मू-कश्मीर कृषि उद्योग विकास निगम ने विभाग की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभा को संबोधित किया और जम्मू-कश्मीर के कृषि/बागवानी उत्पादों के संभावित अवसरों पर जोर दिया और यह भी बताया कि सरकार, उत्पादकर्ता और व्यापारी इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कैसे मिलकर काम कर सकते हैं।

मैनेज ने जम्मू-कश्मीर के लिए क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया 1
प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय कार्यशाला 4
ओडिशा के एस सी और डब्ल्यू डी विभाग का पुनर्गठन 4
देसी फेसिलिटेटरों के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला 5
सतत विकास के लिए एफपीओ 6
मैनेज और जेंडर प्लेटफार्म ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया 7
कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने मैनेज का दौरा किया 7
मैं और मेरा पौधा वृक्षारोपण अभियान 8
श्री रहीम खान को युवा बागवानी विशेषज्ञ पुरस्कार 9

MANAGE.hyd
MANAGEHyd
MANAGEIndia

महानिदेशक का संदेश

मैनेज को किसानों को बाजार से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करना होगा

देश में प्रतिस्पर्धी बाजारों में अधिक मुनाफे के लिए अपनी उपज बेचने के लिए अपने नवीन दृष्टिकोण के माध्यम से किसान उत्पादकों को बढ़ावा देने में मैनेज सबसे आगे है। एक विस्तार प्रबंधन संगठन के रूप में, मैनेज अपनी एफपीओ अकादमी गतिविधियों के माध्यम से किसानों को बाज़ारों से जोड़ने का प्रयास करता है।

मैनेज एफपीओ अकादमी क्षमता निर्माण, अनुसंधान, नीति समर्थन, प्रशिक्षण और किसान उत्पादक संगठनों की सफलता की कहानियों के दस्तावेज़ीकरण पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। किसान उत्पादकों को सशक्त बनाने और उनके व्यवसाय के अवसरों का विस्तार करने के लिए, मैनेज एफपीओ अकादमी राज्य सरकारों की मांग पर अपना समर्थन प्रदान कर रहा है। जुलाई, 2023 में, हमने किसानों, उत्पादकों, प्रोसेसरों, निर्यातकों, उद्यमियों और कृषि स्टार्टअप की मदद के लिए कृषि, बागवानी, प्रसंस्कृत उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जम्मू और कश्मीर सरकार के बागवानी योजना और विपणन विभाग के लिए एक क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया ।

"किसान उत्पादकों को मजबूत करने और उनके व्यापार के अवसरों का विस्तार करने के लिए, मैनेज एफपीओ अकादमी राज्य सरकारों की मांग पर अपना समर्थन प्रदान कर रही है"।

इस कार्यक्रम के माध्यम से, मैनेज एफपीओ अकादमी ने 250 से अधिक प्रतिनिधियों के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें विक्रेता, फल और सब्जी संघों के नेता, जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों के भंडारण और ट्रांसपोर्टर और हैदराबाद, मुंबई, कर्नाटक और केरल के खरीदार शामिल थे। प्रदर्शनी में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों से आए लगभग 40 संभावित विक्रेताओं ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। प्रदर्शित प्रमुख उत्पादों में सेब, बासमती चावल, राजमा, अखरोट, शहद, केसर, चेरी, बेर और अन्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और मसाले शामिल हैं।

इस आयोजन ने विक्रेताओं और क्रेताओ दोनों मे संबंध स्थापित करने और पारस्परिक रूप से व्यापार समझौते करने में मदद की। मैनेज का मानना है कि ऐसी इंटरफ़ेस बैठकों के माध्यम से, किसानों को बाजारों से जोड़ने को सीमाओं के पार प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकता है। मैनेज एफपीओ अकादमी ऐसी पहलों को समर्थन करेगा जो उत्पादको को सशक्त मार्केट ढूंढने में मददन करता हैं।

डॉ. पी. चन्द्र शेखरा
महानिदेशक

मैनेज ने जम्मू-काश्मीर के लिए क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया

डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने एफपीओ के माध्यम से जम्मू और कश्मीर उत्पादों की असाधारण गुणवत्ता और विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के लिए ऊर्जावान अभियानों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

श्रीमती लक्ष्मी बाई, निदेशक, कृषि विपणन विभाग, तेलंगाना सरकार ने प्रमुख गुणवत्ता वाली वस्तुओं को बढ़ावा देने और अंतर-राज्यीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने वाली बैठकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राज्यों के बीच व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने में ई-नाम की प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला और अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए तेलंगाना के आगामी कोहेड़ा बाजार में जम्मू-कश्मीर के उत्पादकों को सुविधाएं प्रदान करने का आश्वासन दिया।

श्री अरुण मन्हास, प्रबंध निदेशक, जम्मू-कश्मीर कृषि उद्योग विकास निगम ने सुझाव दिया कि देश में जम्मू-कश्मीर उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी विभागों, उत्पादकों और खरीदारों को मिलकर काम करने की जरूरत है। इस कार्यक्रम का संचालन मैनेज की ओर से डॉ. के. सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई) ने किया।

इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर सरकार के बागवानी योजना और विपणन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, सी. ए, स्टोरेज एसोसिएशन कश्मीर के अध्यक्षों और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न फल और सब्जी संघों और स्थानीय बाजारों के अध्यक्षों ने भाग लिया।

प्रदर्शनी में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों से आए 40 से अधिक विक्रेताओं ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। प्रदर्शित प्रमुख उत्पादों में सेब, बासमती चावल, राजमा, अखरोट, शहद, केसर, चेरी, बेर और अन्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और मसाले शामिल हैं। प्रदर्शनी के दौरान हैदराबाद और आसपास के राज्यों के व्यापारियों ने विक्रेताओं के साथ संपर्क और व्यापार समझौते किए।

राष्ट्रीय कार्यशाला

प्राकृतिक खेती मॉड्यूल का विकास

मैनेज ने प्राकृतिक खेती मॉड्यूल विकास के लिए एक परिवर्तनकारी 6-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन दिनांक 24-29 जुलाई, 2023 तक चला, जो प्राकृतिक खेती के लिए एक रूपरेखा तैयार करने के लिए समर्पित मंच के रूप में कार्य किया।

कार्यशाला सहयोग के प्रतीक के रूप में था, जिसमें डब्ल्यूएएसएसएएन, एनसीओएनएफ, एनसीएनएफ, पतंजलि और आर्ट ऑफ लिविंग जैसे संगठनों के विशेषज्ञ एकजुट हुए, इन सभी ने प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को आधुनिक कृषि में सबसे आगे ले जाने में अग्रणी भूमिका निभाई थी।

डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने इसके महत्व पर प्रकाश डाला, पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों के सम्मिश्रण का वर्णन किया और उद्घाटन भाषण के दौरान प्राकृतिक खेती की अंतर्दृष्टि के लिए एक राष्ट्रीय ज्ञान भंडार बनाने पर जोर दिया।

कार्यशाला का उद्देश्य ज्ञान और विज्ञान को एकीकृत करना, एक स्थायी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और भारतीय कृषि में सकारात्मक बदलाव लाना है। इसका उद्देश्य अध्ययन सामग्री विकसित करने और देश भर में प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विशेषज्ञों, चिकित्सकों और हितधारकों को एकजुट करना है।

ओडिशा के मृदा संरक्षण और जलग्रहण विकास विभाग का पुनर्गठन

मैनेज को परामर्श कार्य के माध्यम से ओडिशा मृदा संरक्षण और जलग्रहण विकास विभाग के पुनर्गठन का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, और केंद्र प्रमुख इस परिवर्तनकारी पहल के बारे में सहयोग और विचार-विमर्श करने के लिए दिनांक 24 जुलाई, 2023 को एक जुट हुए। ओडिशा सरकार के मृदा संरक्षण और जलग्रहण विभाग के दो अधिकारियों ने एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति दी और प्रक्रिया के पुनर्गठन के लिए गहन चर्चा की।

देसी फैसिलिटेटर्स के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला

मैनेज ने दिनांक 13 और 14 जुलाई, 2023 को देश भर के 43 फैसिलिटेटरों, पाठ्यक्रम समन्वयकों और राज्य नोडल अधिकारियों के लिए देसी फैसिलिटेटर्स के लिए क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने किसानों तक कृषि सेवाएं पहुंचाने में देसी-प्रशिक्षित इनपुट डीलरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को प्रभावी ढंग से विस्तार सेवाएं प्रदान करने के लिए देसी 2.0 के माध्यम से प्रयासों को एकजुट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला में किसानों के साथ कृषि ज्ञान साझा करने में देसी इनपुट डीलरों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को रेखांकित किया गया।

डॉ. महंतेश शिरूर, उप निदेशक (आईईएस) और देसी के प्रमुख समन्वयकों ने कार्यशाला का समन्वय किया।

कार्यशाला

सतत विकास के लिए एफपीओ को सशक्त बनाना

मैनेज ने दिनांक 26-28 जुलाई, 2023 के दौरान किसानों को सशक्त बनाने और कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक रूप से योगदान देने के व्यापक उद्देश्य वाले किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर ध्यान केंद्रित करते हुए 3-दिवसीय "नाबार्ड, सलाहकारों और पीओपीआई के लिए एफपीओ पर रणनीति कार्यशाला" का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन नाबार्ड के कृषि क्षेत्र विकास विभाग (एफएसडीडी) द्वारा किया गया था। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर ध्यान केंद्रित करते हुए 3-दिवसीय "नाबार्ड, सलाहकारों और पीओपीआई के लिए एफपीओ पर रणनीति कार्यशाला" की मेजबानी की। इस कार्यशाला का आयोजन नाबार्ड के कृषि क्षेत्र विकास विभाग (एफएसडीडी) द्वारा किया गया था।

इस कार्यक्रम में नाबार्ड के नोडल अधिकारी, सलाहकार और उत्पाद संगठन प्रमोटिंग इंस्टीट्यूशंस (पीओपीआई) एक जुट हुए। इस कार्यशाला में नाबार्ड के लगभग 26 क्षेत्रीय प्रमुखों और समुदाय आधारित व्यावसायिक संगठनों (सीबीबीओ) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का केंद्रीय विषय कृषि परिदृश्य में एफपीओ की भूमिका और उसे मजबूत बनाना था

उद्घाटन भाषण के दौरान, मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने एफपीओ ढांचे के भीतर स्थिरता के महत्वपूर्ण पहलू को रेखांकित किया। उन्होंने अपने व्यापार के अवसरों को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में छोटे एफपीओ को सहयोग करने और फेडरेशन स्थापित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त उन्होंने एसीएबीसी, कृषि-स्टार्टअप और देसी इनपुट डीलरों को एफपीओ के साथ एकीकृत करके एक सहक्रियात्मक दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्तावित एकीकरण का उद्देश्य निर्बाध संचार चैनलों को सुविधाजनक बनाना और नवीन विचारों के पारस्परिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

किसान उत्पादक संगठनों की अवधारणा का वर्णन कर, प्रतिभागियों का लक्ष्य कृषि क्षेत्र पर सकारात्मक और स्थायी प्रभाव पैदा करना है। सहयोगात्मक प्रयासों, ज्ञान प्रसार और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से, इस पहल का उद्देश्य किसानों का उत्थान करना और कृषि की समग्र प्रगति को प्रोत्साहित करना है।

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

मैनेज और सीजीआईएआर जेन्डर प्लेटफॉर्म के बीच

अंतर्राष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान (आईएलआरआई), नैरोबी, केन्या में मैनेज और सीजीआईएआर जेन्डर प्लेटफ़ॉर्म ने कृषि में वैश्विक लिंग अंतर को कम करने पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया।

प्रो. अपोलिनायर जिकेंग, महानिदेशक, आईएलआरआई इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म और डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस कार्यक्रम में डॉ. निकोलिन डी हान, निदेशक, सीजीआईएआर जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म और डॉ. रंजीता पुस्कुर, एविडेंसम मॉड्यूल लीडर, सीजीआईएआर जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म के साथ-साथ महिला कृषिउद्यमियों और मैनेज संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. निकोलिन डी हान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मैनेज के साथ साझेदारी एक विशाल कृषि विस्तार प्रणाली तक पहुंच प्रदान करती है, जो भारत की महिला किसानों के लाभ के लिए समाधान और ज्ञान साझा करने में सक्षम बनाती है।

डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने इस बात पर जोर दिया कि सीजीआईएआर जेंडर प्लेटफॉर्म के साथ सहयोग करने से वैश्विक लिंग मुख्यधारा की चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारतीय कृषि विस्तार नवाचार को लाया जा सकता हैं। डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (लिंग अध्ययन), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

कोरियाई प्रतिनिधिमंडल द्वारा मैनेज का दौरा

कोरिया कृषि प्रौद्योगिकी संवर्धन एजेंसी (KOAT) के डॉ. जोंगह्युन के नेतृत्व में एक कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 17 जुलाई, 2023 को मैनेज का दौरा किया। उन्होंने भारत में खाद्य प्रसंस्करण, लागत प्रभावी भंडारण, उच्च उपज वाली किस्मों और छोटे किसानों के अनुकूल कृषि मशीनरी जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी कृषि प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने पर चर्चा करने के लिए मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में केबीआईजेड के श्री जुनते जंग, ड्रीम बायो टेक कंपनी लिमिटेड के श्री इंसेओब किम और इल्सांग इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड के सुश्री कुम्ही चो शामिल थे।

वृक्षारोपण अभियान
"मैं और मेरा पौधा"

मैनेज ने दिनांक 05 जुलाई 2023 को पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट) (पीजीडीएम-एबीएम) के 28वें बैच के छात्रों के लिए "मैं और मेरा पौधा" नामक एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वर्तमान बैच के सभी 100 छात्रों ने मैनेज परिसर में वृक्षारोपण किया।

'मैं और मेरा पौधा' पहल का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को उजागर करना और छात्रों और परिसर के बीच संबंध को मजबूत करना है। मैनेज में अपने दो साल के प्रवास के दौरान, छात्र अपने संबंधित पौधों की देखभाल करेंगे, पर्यावरण के साथ जिम्मेदारी और जुड़ाव की भावना को बढ़ावा देंगे।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. एम. श्रीकांत, (कृषि-व्यवसाय प्रबंधन) और डॉ. के आनंद रेड्डी, प्रधान समन्वयक (पीजीडीएम-एबीएम) उपस्थित थे। सभी 100 के 100 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, मैनेज गार्डन में पौधे लगाए और तस्वीरों के माध्यम से उस पल को यादगार बनाया।

पुरस्कार

श्री रहीम खान को युवा बागवानी विशेषज्ञ पुरस्कार

श्री रहीम खान, बागवानी सलाहकार, मैनेज को श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर, भारत में शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एसकेयूएएसटी-के) द्वारा आयोजित सीसीआई 2023 सम्मेलन में प्रतिष्ठित "यंग हॉर्टिकल्चरिस्ट अवार्ड - 2023" से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान बागवानी के क्षेत्र में, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों के संदर्भ में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना का प्रतीक है। मैनेज के सभी सदस्यों की ओर से श्री खान को उनकी सराहनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

पढ़ें और योगदान दें

मैनेज का जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (जेएईएम)

कृपया जेएईएम को यहां एक्सेस करें:
https://www.manage.gov.in/publications/journal/journal.asp

संपादकीय टीम

डॉ. पी चंद्रशेखरा

द्वारा मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

महानिदेशक

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

राजेन्द्रनगर हैदराबाद - 500030, भारत

वेबसाईट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा महानिदेशक, मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालुरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन),
मैनेज

सहायक संपादक
अपर्णा वी. आर
मैनेज फ़ेलो,
मैनेज

हिन्दीअनुवाद
डॉ. के श्रीवल्ली,सहायक निदेशक(राजभाषा)
सुश्री पुजा दास, वारिष्ठ अनुवादक